

## अवध के बिहारी | Devi Sangeeta Kishori

जादू कर गयो रे अवध के बिहारी  
संग में सोहे सिया सुकुमारी  
जोड़ी लगे अति प्यारी हाँ प्यारी हाँ प्यारी हाँ प्यारी  
जादू कर गयो रे अवध के बिहारी

कंचन भवन की छठा निराली  
चारो तरफ छाई खुशहाली  
नाच रही देखो नगर निराली  
हाथों में देके मधुकर ताली  
हो सबको छाई अजब खुमारी  
जादू कर गयो रे अवध के बिहारी

राघव पिया की सुन्दर सुरतिया  
अधर धरे प्रभु मंद मुस्कनिया  
हिय में बसाऊँ मैं तो प्यारी मूरतिया  
नित नित लूँ मैं तो वा की बलैयां  
हो मैं तो तन मन उनपे वारी  
जादू कर गयो रे अवध के बिहारी

जनम जनम के दुःख मिट जाते  
एक बार जो अवध आ जाते  
राम दरश से भाग्य जगाते  
हो सबकी आस करे वो पूरी  
जादू कर गयो रे अवध के बिहारी

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%b5%e0%a4%a7-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-devi-sangeeta-kishori/>